नाम	: Sample
लिंग	: स्त्री
जन्म तिथि	: 6 जूलाई,1989 गुरुवार
जन्म समय (Hr.Min.Sec)	: 09:10:00 am
समय मेखल (Hrs.Mins)	: 5.30 ग्रीनवीच रेखा के पूर्व
जन्म स्थल	: New Delhi
रेखांश ः अक्षांश (Deg.Mins)	: 77:13 , 28:38
अयनांश	: चित्रपक्ष
जन्म नक्षत्र - नक्षत्र पद	: **आशलेष** - 3
जन्म राशी - राशी का देव	: **कर्कट - चन्द्र**
लग्न - लग्न का देव	: सिंह - **सूर्य**
तिथि	: त्रितिया(शुक्लपक्ष)
करण	: हाथी
नित्ययोग	: वज्रा
सूर्योदय	: 05:29 am
सूर्योस्त	: 07:23 pm
दिनामान (Hrs.Mins)	: 13.54
सूर्य का राशी - नक्षत्र का स्थान	: मिथुन - पुर्नवासु
ठगड़ा राशी	: सिंह,मकर
ज्योतिष शास्त्र के अनुसार जन्म तिथि	: गुरुवार

गृहों का निरायन रेखांश

गृहों के निरायन रेखांश पर भारत के ज्यातिष शास्त्र की नीव डाली गई है। यह शयन रेखांश के मूल्य से (गुणांक से) अयनांश मूल्य को कम करने से प्राप्त होता है।

अयनांश की गणना अलग - अलग पद्धती से की जाती है। उनके प्रकार और आधार नीचे बताये गये है: चित्रपक्ष = 023:42:47

गृह	रेखांश डि : मि :से	राशी	राशी के रेखांश प्रकार डि : मि :से	नक्षत्र	पद
लग्न	126:48:05	सिंह	006:48:05	मघा	3
चन्द्र	116:10:25	कर्कट	026:10:25	आशलेष	3
सूर्य	080:20:48	मिथुन	020:20:48	पुर्नवासु	1
बुध	066:30:27	मिथुन	006:30:27	मृगशिरा	4
शुक्र	104:36:32	कर्कट	014:36:32	पुष्य	4
कुज	108:28:19	कर्कट	018:28:19	आशलेष	1
गुरु	060:56:04	मिथुन	000:56:04	मृगशिरा	3
शनि	256:38:29	धनुस	016:38:29	पूर्वषाढा	1
राहू	304:13:06	कुंभ्भ	004:13:06	धनिष्ठ	4
केतू	124:13:06	सिंह	004:13:06	मघा	2
गुलिक	139:14:15	सिंह	019:14:15	पूर्व फालगुनी	2

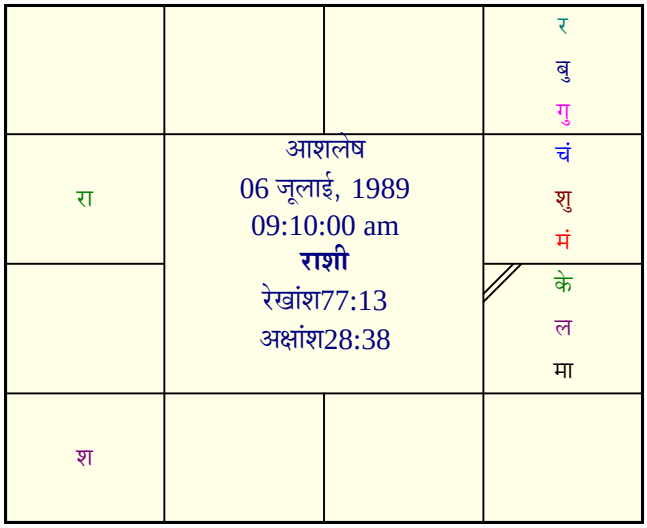

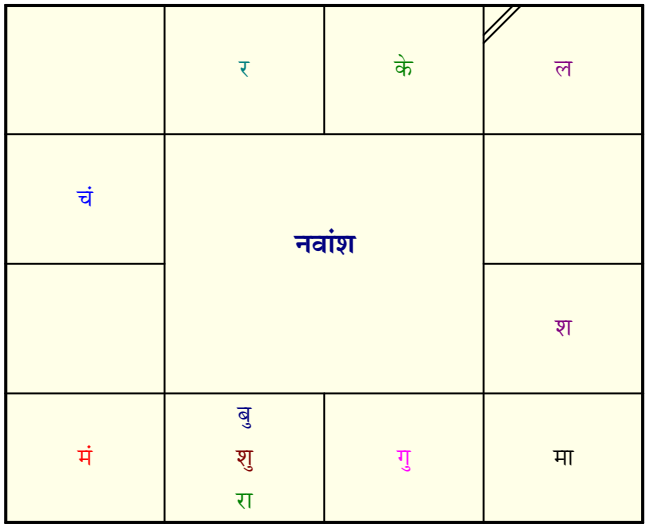

जन्म के समय दशा की समतुलना = बुध 4 साल, 10 महीने, 17 दिन

व्यक्तित्व, शारीकि बनावट, सामाजिक स्थिति

जन्मकुण्डली का पहला भाव एक व्यक्ति के व्यक्तित्व, शारीरिक बनावट, सामजिक स्थिति और प्रसिद्वि को सूचित करता है ।

सिंहराशि लग्न होने की वजह से वात-पित्त के प्रकोप से होनेवाले रोगों का शिकार बनने की संभावनायें है। तीखा, खट्टा और मसालेदार भोजन पसंद है। आप शूरवीर और हृदय से कठोर हैं। हर कठिनाई का धैर्यपूर्ण सामना करके जीवन में स्वतंत्र रूप से आगे बढ़ना पसंद करते है। वीर पुरुषों के आप आराधक होंगे। उच्च अफसरों से अनेक लाभ होने की संभावनायें हैं।

तुला राशि तीसरे स्थान पर रहने की वजह से नीच वृत्ति की चर्चा में अभिरुचि जागृत होगी। हृदय की कठोरता और क्रूरता अभिव्यक्त होगी। यह सब होते हुए भी, समय आने पर शत्रुओं के सामने आप भीरु बन जाते हैं। अन्य को आप ताबेदार बनाना पसंद करते हैं। उसके लिए आपका प्रयत्न जारी रहेगा। पाँचवां स्थान पुत्र सुख संबन्धित बातें बताता है। पाँचवे स्थान पर धनुराशि के होने से संतान का योग निराशा पैदा करनेवाला है। 'भवेदल्प सुतोल्पभक्षः' अल्प पुत्र होंगे और आप अल्पाहारी भी होंगे। आप जिनको मदद और सहारा देंगे वह आपके शत्रु बनेंगे। स्वास्थ्य में अतिसार और पित्त के प्रकोप से होनेवाले ज्वर से बचने के लिए सावधान रहना होगा। रक्तचाप (ब्लडप्रेशर) होने की संभावनायें दिखाई देती हैं। सावधानी से अनेक खतरों से बचा जा सकता है। जलाशय और आयुधों से खतरा संभव है। सतर्क रहना लाभदायी होगा।

साधु और संत के प्रति अनुराग पैदा होगा। अतिथि सत्कार आपका प्रिय कार्य बनेगा। विपरीत योनि के लोगों से प्रीति संपन्न होगी। सुयोग्य और श्रेष्ठ निवास स्थल प्राप्त होगा। ऊपरी ओहदे पर रहने वाले अफ़सर और मित्रजन आप से आनंदित रहेंगे। खर्च के लिये आवश्यक धन प्राप्त होता रहेगा। सज्जनों द्वारा मुक्त कँठ से आपकी प्रशंसा होगी। २८से ३२वें वर्ष के मध्य एक अच्छी भाग्योन्नति प्राप्त हो सकती है।

स्वप्रयत्न से धन कमाना पसंद करते हैं। इकट्ठा किया गया धन बचाने में असमर्थ हैं। क्रय-विक्रय कार्य के माध्यम से धन लाभ की संभावनायें हैं। कार्य क्षेत्र में अविचारित नुकसान होने की संभावना है। प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से जीवन का ५४ वर्ष आपके लिए प्रधान है।

`लग्नाधिपति ग्यारहवें स्थान पर है। योग्य प्रगति के साथ संपत्ति और श्रेष्ठ व्यक्तित्व भी प्राप्त होगा। अनेक प्रकार के सुख-भोग का आस्वादन प्राप्त होगा। उदारचित्त और स्वाभिमानी हैं। पूरी तरह चिन्ता से मुक्त होना संभव नहीं। यह ग्रह अपनी दशा में सरकारी परेशानी विभागीय जाँच अथवा पूज्य जन को पीड़ा भी कर दे सकता है।

केतु प्रथम स्थान पर रहने से आपका चेहरा सौन्दर्यवान और प्रसन्न रहेगा। आपके स्वभाव से हर कोई आकर्षित रहेगा।

संपत्ति, विध्या क्षेत्र इत्यादि के विषय में।

चतुर्थ भाव, चतुर्थेश कारक और संबन्धित ग्रहों की योग, युतिदृष्टि के माध्यम से संपत्ति विद्या-बुद्धि, माता, भूमि , भवन और वाहन आदि का सूचित करता है। इस पत्रिका में इस विषय का विवरण निम्नांकित है।

आपकी जन्म पत्रिका में चौथे भाव का स्वामी बारहवें स्थान पर रहने से बुद्धिशून्य कार्यों में पड़ने की संभावना है। इस कारण मानसिक तनाव और अस्वस्थता उत्पन्न हो सकती है। यह परिवार के बीच असंतोष उत्पन्न कर सकता है। स्त्री होने से किसी तरह की दुःखपूर्ण परिस्थिति निर्मित न हो इसका ध्यान करना लाभदायी होगा। माँ की याद बार बार सतायेगी। अचल संपत्ति का निर्माण होगा।

चौथे स्थान का मालिक मंगल है। आपके कार्यक्षेत्र में बुद्धि चातुर्य से महिला को सुशोभित करनेवाला व्यक्तित्व आप स्वयं प्रकट कर सकेगी। स्वाभिमान को तिलांजलि देकर समर्पण करना आपके लिए संभव नहीं होगी । जबकि समर्पण और सहयोग आपके मुख्य गुण होंगे। समर्पण व सहयोग महिलाओं के लिए आभूषण ही माने जाते हैं। तथ्यों का पूरी तरह चिंतन मनन करने के बाद ही उनका प्रायोगिक उपयोग करने वाली नारी हैं। हर काम में अग्रिम पंक्ति में रहने की इच्छुक हैं। अधिक अहंकार से बचें।

मानसिक शांति और तृप्ति के लिए आप धार्मिक विषयों का अध्ययन करना पसंद करते हैं। जिस किसी विषय में आप हाथ डालेंगे उसका पूरा ज्ञान पाए बिना पीछे न हटना आप का स्वभाव है। हर कार्य को बुद्धि की तराजू में तौलकर करने के आदि होंगे।

पेशा

फलदीपिका के श्लोको के अनुसार दसवी भाव व्यापार, श्रेणी था पद, कर्म, जय - विजय, कीर्ति, त्याग, जीविका, आकाश, स्वभाव, गुण, अभिलाषा, चाल था गति और अधिकार को सूचित करता है ।

सरर्वात्त चिन्तामणि के अनुसार ज्योतिषियों को दसवी भाव से काम (उधोग) अधिकार, शक्ति, कीर्ति, वर्षा, विदेश राज्यों में जीवन, त्याग का मनोभाव, सम्मान, आदर, जीविका मार्ग, व्यवसाय या पेशा, को निर्णय करना चाहिए । आपके लिए सूचित किए गए ज्योतिष सम्बधित व्यावसाय और पेशा के अन्तर्दृष्टि को दसवी भाव, उसमें उपस्थित अधिपति, गृह, सूर्य और चन्द्र का स्थान आदि तत्वों के विश्लेषण के द्वारा प्रस्तुत किया गया है ।

आपकी जन्मकुण्डली में दसवी भाव के स्वामी को बारहवी भाव पर स्थान दिया गया है । ब्रिहत्त पारासरा होरा के श्लोक यह सूचित करता है कि आपको सरकारी काम काज के बावजूत धन-नष्ट होगी । आपको अपने शत्रुओं पर भय होनी चाहिए । आप चतुर और बुद्विशाली है लेकिन अनावश्यक कार्य के लिए चिन्ताग्रस्त रहती है ।

दसवी भाव ऋषभ राशी है । यह एक मृण्मय (संसारिक) चिनह् है । यह कृषि सांबधी धन्धों को सूचित करता है । क्योंकि ये राशीचक्र में दूसरा चिनह् है यह आर्थिक व्यवस्था को भी सूचित करता है । ऐसा कहा गया है कि यह राशी ग्रह मुनीम, दलाल, बैकं कर्मचारी और कारखानों में प्रबन्धक आदि को सूचित करता है । शुक्र इस चिनह् को नियंत्रित करता है और यह सगीतज्ञ, अभिनेत्री और वस्त्र बनाने वाला दर्जो के लिए बहुत सहायक है । खेती, बागबनी, उधानविधा, फूल, अभूषण, शीश, दूध, चावल,रुई, रेशाम, प्लैस्टिक, संगीत, चीनि और वाहनो का बिक्री आदि उघोग क्षेत्र में सफल होगी ।

यह जानना जरुरी है कि दसवी भाव में लग्न से सूर्य, चन्द्र या कोई भी गृह उपस्थित नहीं है ।इसलिए दसवी भाव में नवांश के प्रभाव के बारे में जाँच करेगों । यह आपके लिए उचित उधोगे के बारे सूचना प्रधान करता है ।

दसवी भाव में उपस्थित नवांश का स्वामी मंगल गृह है । यह धातु विध्या, खनिज, मकान निर्माण, सुरक्षा सेवा, इंजीनियरी उधोग, आयुध (हथियार), आग आदि क्षेत्रों को सूचित करता है । आप चाकू और तीक्षण उपकरण का प्रयोग करना पसन्द करती है । यह योग्यता आपको कसाई और शल्य चिकित्स के क्षेत्र में सहायक होगी । आप गाडी चलाना पसन्द करती है । आप औषधालय चलान में और रसायनिक चीजे ,रसायन शाला के अकरणों के व्यावहार में सफल हो सकती है ।

जन्मकुण्डली में उपस्थित गृहों के स्थानों के आदार पर प्रस्तुत किए गए विश्लेषण के अलावा कुछ साधारण विधि नीतियाँ भी जन्म नक्षत्र से प्राप्त कर सकते है । आपके जन्म नक्षत्र से सम्बधित उधोग क्षेत्र निम्नलिखित है ।

बिक्री और विपणन, व्यापार प्रतिनिधिक, अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार, संवाददाता,लेखक, ग्रन्थकार, वर्ण और रंग, कातना और बुनावट, कागज़ उत्पन्न, होटल और छात्रावास उन्नत पदाधिकारी रोगियों की देख -रेख करना, अध्यापन, भाषा अनुवाद, व्याख्या करना ।

आमदनी

ग्यारहवी भाव आमदनी और आमदनी के मार्गें को सूचित करता है ।

ग्यारहवाँ भावाधिपति आय स्थान पर रहने से अपने कार्यक्षेत्र में सुशोभित रहेंगे। हर कदम पर प्रगति ही प्रगति होगी। सुख और विद्वता में आयु के साथ-साथ लगातार अभिवृद्धि होती रहेगी।

सूर्य ग्यारहवें स्थान पर रहा है। आपके मित्र आपके स्वाधीन शक्ति को उपयोग में लेंगे। आप संतोष और सामर्थ्य के समानता से मालिक बन पायेंगे। आपके पिताजी को अनेक क्लेशों का सामना करना पड़ेगा। आप दीर्घ आयु के हैं।

बुध ग्यारहवें स्थान पर रहा है। आप विश्वसनीय व्यक्ति हैं। आप ज्ञान संपन्न व्यक्ति भी हैं। योग्य श्रेष्ठ मित्रजन प्राप्त होंगे। क्रय-विक्रय कार्य से जीवन में सफलता प्राप्त होगी।

गुरु ग्यारहवें स्थान पर रहा है। वफादार मित्रजन की प्राप्ति होगी। यथायोग्य समय आने पर उन लोगों से मदद भी प्राप्त होगी। आप निर्भय और कीर्ति के पात्र हैं। आपका परिवार सीमित रहेगा।

ग्यारहवी देव और दूसरा देव अपने ही धर में उपस्थित है ।आप को धन और समापति पाने का अवसर है ।

उधोग या पेश के लिए अनुकूल समय

लग्न अधिपति, दसवी अधिपति, दसवी भाव और लग्न में उपस्थित शुभ गृह, लग्न और दसवी भाव में बृहस्पति का दृष्टि और अन्य विषयों को ध्यान में रखकर प्रस्तुत दाश । अपहारा समय उधोग के लिए अनुकूल है ।

१५ उम्रे से लेकर ६० उम्र तक का विश्लेषण.

दशा	अपहार	काल प्रारंभ	काल के अन्त समय	छान-बीन
शुक्र	रवि	21-09-2004	21-09-2005	उचित
शुक्र	चन्द्र	21-09-2005	23-05-2007	अनुकूल
शुक्र	मंगल	23-05-2007	22-07-2008	अनुकूल
शुक्र	राहु	22-07-2008	23-07-2011	अनुकूल
शुक्र	गुरु	23-07-2011	23-03-2014	अनुकूल
शुक्र	शनि	23-03-2014	22-05-2017	अनुकूल
शुक्र	बुध	22-05-2017	22-03-2020	अनुकूल
शुक्र	केतु	22-03-2020	22-05-2021	अनुकूल
रवि	चन्द्र	09-09-2021	10-03-2022	अनुकूल
रवि	मंगल	10-03-2022	16-07-2022	अनुकूल
रवि	राहु	16-07-2022	10-06-2023	अनुकूल
रवि	गुरु	10-06-2023	28-03-2024	अनुकूल
रवि	शनि	28-03-2024	10-03-2025	अनुकूल
रवि	बुध	10-03-2025	15-01-2026	अनुकूल
रवि	केतु	15-01-2026	22-05-2026	अनुकूल
रवि	शुक्र	22-05-2026	23-05-2027	उचित
चन्द्र	शुक्र	23-03-2035	21-11-2036	अनुकूल
चन्द्र	रवि	21-11-2036	22-05-2037	अनुकूल
मंगल	शुक्र	16-04-2042	16-06-2043	अनुकूल
मंगल	रवि	16-06-2043	22-10-2043	अनुकूल

व्यापार के लिए अनुकूल समय

दूसरा, नौवाँ, दसवी और ग्यारहवी अधिपति, लग्न और ग्यारहवी भाव में बृहस्पति, लग्न और ग्यारहवी भाव में बृहस्पति का दृष्टि , और अन्य विषयों को ध्यान में रखकर प्रस्तुत दाश । अपहारा समय व्यापार के लिए अनुकूल दिखाई पड़ता है ।

१५ उम्रे से लेकर ६० उम्र तक का विश्लेषण.

दशा	अपहार	काल प्रारंभ	काल के अन्त समय	छान-बीन
शुक्र	रवि	21-09-2004	21-09-2005	उचित
शुक्र	चन्द्र	21-09-2005	23-05-2007	अनुकूल
शुक्र	मंगल	23-05-2007	22-07-2008	उचित
शुक्र	राहु	22-07-2008	23-07-2011	अनुकूल
शुक्र	गुरु	23-07-2011	23-03-2014	उचित
शुक्र	शनि	23-03-2014	22-05-2017	अनुकूल
शुक्र	बुध	22-05-2017	22-03-2020	उचित
शुक्र	केतु	22-03-2020	22-05-2021	अनुकूल
रवि	चन्द्र	09-09-2021	10-03-2022	अनुकूल
रवि	मंगल	10-03-2022	16-07-2022	उचित
रवि	राहु	16-07-2022	10-06-2023	अनुकूल
रवि	गुरु	10-06-2023	28-03-2024	उचित
रवि	शनि	28-03-2024	10-03-2025	अनुकूल
रवि	बुध	10-03-2025	15-01-2026	उचित
रवि	केतु	15-01-2026	22-05-2026	अनुकूल
रवि	शुक्र	22-05-2026	23-05-2027	उचित
चन्द्र	मंगल	22-03-2028	21-10-2028	अनुकूल
चन्द्र	गुरु	22-04-2030	22-08-2031	अनुकूल
चन्द्र	बुध	22-03-2033	22-08-2034	अनुकूल
चन्द्र	शुक्र	23-03-2035	21-11-2036	अनुकूल
चन्द्र	रवि	21-11-2036	22-05-2037	अनुकूल
मंगल	राहु	18-10-2037	06-11-2038	अनुकूल
मंगल	गुरु	06-11-2038	13-10-2039	उचित
मंगल	शनि	13-10-2039	21-11-2040	अनुकूल
मंगल	बुध	21-11-2040	18-11-2041	उचित
मंगल	केतु	18-11-2041	16-04-2042	अनुकूल
मंगल	शुक्र	16-04-2042	16-06-2043	उचित
मंगल	रवि	16-06-2043	22-10-2043	उचित
मंगल	चन्द्र	22-10-2043	22-05-2044	अनुकूल
राहु	गुरु	02-02-2047	28-06-2049	अनुकूल

Best Wishes,
Astro-Vision

DISCLAIMER: .

Although broadly based on Indian Predictive Astrology, we request you to consider this report as an independent work of Astro-Vision Futuretech Pvt. Ltd.ASTRO-VISION astrological calculations are based on scientific equations and not on any specific published almanac. Therefore, comparisons between the calculations made by ASTRO-VISION and those published in almanacs are absolutely unwarranted.Astro-Vision Futuretech Pvt. Ltd. shall not entertain any dispute on differences arising out of such comparisons. Astro-Vision Futuretech Pvt. Ltd. cannot be held responsible for the decisions that may be taken by anyone based on this report.While we ensure that each report is prepared meticulously and with utmost care, we do not rule out the possibility of any unexpected errors. In case of any errors our liability is limited to the replacement of the report with a rectified one. The software versions and the predictive text in the reports are subject to continuous modifications, including addition of new chapters. This is

necessitated by the nature of the content and our constantly evolving research findings. We have adopted "Chitrapaksha ayanamsa" for all our calculations as it is the most popular and widely used ayanamsa system in India. The astrological calculations and predictions may differ in case a different ayanamsa is used. There are minor variations in the systems and practices followed by different regions of India and we have accommodated some of these variations in the regional language versions. As a result, the reports generated in different languages may not be exact translations. Also, all the language versions are not updated simultaneously.